केन्द्रीय विद्यालय,एन.डी.ए.,पुणे-23

अर्द्धवार्षिक परीक्षा [2018-19]

<u>विषय - हिन्दी(उत्तर कुंजी)</u>

पूर्णांक:- 80 - **कक्षा - दसवीं** अवधि - 3घंटे

खण्ड-'क'

1.

i) कर्म करना 1

ii) समाज+इक,नीति+इक 1

iii) उसकीसंगति कैसी है 2

iv) पारसमणि के 2

vमोती बन जाता है 2

प्रश्न 2-.i).ज्ञान का प्रकाश सर्वप्रथम भारत में ही फैला 1

ii) सुरपति का 1

iii) पैरों तले रौंद डाला 1

iv)शरणागत को 2

v)युद्ध क्षेत्र में 2

प्रश्न 3–

क) मैंनेबच्चे को देखा, जोस्कूटर चला रहा था | 5

ख) विद्यार्थी कम रोशनी में पढ़ता था इसलिए अपनी आँखें गँवा बैठा |

ग) टोपी पहनने वाला बाबू कहाँ गया ?

घ) संयुक्त वाक्य

प्रश्न 4----

क) सोहन के द्वारा फुटवाल नहीं खेला जाता | 1

ख) अमित नहीं दौड़ता | 1

ग) माँ से पैदल नहीं चला जा सकेगा | 1

घ) नीरजा के द्वारा पुस्तक पढ़ी जाती हैं | 1

ङ) कर्तृवाच्य में 1

प्रश्न 5----

क) गाती -क्रिया,सकर्मक क्रिया,एकवचन ,वर्तमान काल,स्त्रीलिंग,'गा' धातु ,कर्तृवाच्य| 1

ख) परिश्रमी - गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, छात्र'विशेष्य का विशेषण | 1

ग) वह - सर्वनाम ,एकवचन,उत्तमपुरुष,पुल्लिंग, कर्ता कारक | 1

घ) वाह–विस्मयवाचक,हर्षसूचक | 1

ङ) <u>मैदान में</u>–संज्ञा,जातिवाचक,, पुल्लिंग,एकवचन,अधिकरण कारक | 1

प्रश्न 6-क)फ़ादर का अंतिम संस्कार मसीही विधि से राँची के फ़ादरपास्कलतोयनाद्वारा करवाया गया | इसकी मुख्य बात यह भी थी किमसीही विधि से प्रार्थना हिंदी में की गई थी| 1

ख)सेंटजेवियर्स के रेक्टरफ़ादरपास्कल ने फ़ादर बुल्के को श्रद्धांजलि अर्पितकरते हुए कहा - "फ़ादरवुल्के धरती में जा रहे हैं| इस धरती से ऐसे रत्न और पैदा हों |" 2

ग) फ़ादर की मृत्यु पर रोने वालों की कमीनहीं थी , क्योंकि उन्होंने जिंदगी भर दूसरों को प्रेम तथा ममता का अमृत बाँटा | दूसरों के सुख में शामिल होकर उन्हें शुभाशीष से भर दिया तथा दुःख में सांत्वना के जादू भरे शब्द कहकर विरल शांति प्रदान करके मानवीय करुणा की दिव्य चमक कहलाए | उन्होंने भाषा के प्रति प्रेम भाव दिखाया तथा भारतीय संस्कृति को आत्मसात किया | 2

प्रश्न 7 .निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए - 2+2+2+2 =2=10

क) हमयशपाल जी के विचार से पूर्णतःसहमत हैं की बिना विचार , घटना और पात्रों के कहानी नहींलिखी जा सकती है | लेखक ने नई कहानीके लेखकोंपर व्यंग कियाहै| वास्तव में कहानी पात्रों के जीवन में घटनाओं में ताना-बाना बुनकर ही किसी उद्देश्य पर विचार करती है | इन सबसे रहित कहानी कहना तर्कसंगत नहीं |

ख)बालगोबिन भगत सामाजिक मान्यताओं को नहीं मानते थे यह बातें भी निम्नलिखितउदाहरणों द्वारा पता चलती है---------

1- बालगोबिन भगत के पुत्र की मृत्यु हुई थी उन्होंने सामाजिक परंपराओं के अनुरूप अपने पुत्र का क्रिया कर्म नहीं किया |

2-बेटे की मृत्यु के समय सामान्य लोगों की तरह शोक करने के बजाए भगत ने उसकी शैया के समक्ष गीत गीत गाकर उत्सव मनाया |

3- बेटे की क्रिया कर्म में भी उन्होंने सामाजिक रीति रिवाज की परवाह ना करते हुए अपने पुत्रवधू से ही दाह संस्कार संपन्न कराया |

4- समाज में विधवा विवाह का प्रचलन ना होने के बावजूद उन्होंने अपने पुत्रवधू के भाई को बुलाकर उसकी दूसरी शादी करने को कहा |

5- अन्य साधुओं की तरह भिक्षा मांगकर खाने के विरोधी थे |

ग)लेखिका के व्यक्तित्व पर दो लोगों का विशेष प्रभाव पड़ा ----------

1- <u>पिता का प्रभाव</u>--लेखिका के पिता जी का अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा,रंग रूप के कारण हीन भावना से ग्रस्त थी क्योंकि गौर वर्ण के कारण बड़ी बहन सुशीला को उनके पिताजी ज्यादा मानते थे |इसी के परिणामस्वरूप उनमें आत्मविश्वास की कमी हो गई थी| पिता के द्वारा ही उनमें देश प्रेम की भावना जागृत हुई थी |पिता के सामने कभी अपनी उपलब्धियों पर विश्वास नहीं कर पाई |
2- <u>शिक्षिका शीला अग्रवाल का प्रभाव</u> --शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने एक और लेखिका के खोए आत्मविश्वास को पुनः लौटाया तो दूसरी ओर देश प्रेम के अंकुरित भावना को अभिव्यक्ति का उचित माहौल प्रदान किया |जिसके फलस्वरूप लेखिका खुलकर स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने लगी| शीला अग्रवाल ने लेखिका अच्छा साहित्य चुनकर पढ़ना सिखाया|
3- शिक्षक स्वयं मूल्यांकन करें|

घ)देवदार के वृक्ष लंबे तथा ऊँचे होते हैं | फ़ादर भी लेखक की मित्रमंडली में सबसे बड़े थे | देवदार के वृक्ष घने, छायादारतथा मौसम की मार से बचाने वाले होने हैं | फ़ादर ने बच्चे के अन्न-प्राशन संस्कार में उपस्थित होकर बच्चे के मुख में अन्न डालते समय नीली आँखों से जो वात्सल्य भाव दर्शाया था, उसे देखकर लेखक को लगा कि उनके शुभाशीषों तथा स्नेह की छाया देवदार जैसी ठंडी तथा घनी हैं, जिसके तले उनके बच्चे का भविष्य मंगलकारी ही होगा|.

प्रश्न 8—१. गोपियाँ 'हारिल की लकरी' कृष्ण को कहती है क्योंकि जिस प्रकार हारिल पक्षी लकड़ी को नहीं छोडता, उसी प्रकार गोपियाँ कृष्ण को नहीं छोड़ती | 2

२. गोपियाँ योग को कड़वी ककरी के समान बताती हैं क्योंकि वे योग को अपनाना नहीं चाहती हैं | 2

३. 'जिनके मन चकरी' का आशय जिसका मन स्थिर न हो । 1

.प्रश्न9 . निम्नलिखित में से किन्हीं प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2+2+2+2+2 =10

क) 'उत्साह' एक प्रतीकात्मक कविता है | इसमें बादल को उत्साह के रूप में प्रकट किया है | कवि बादलों से निवेदन करते हैंकि वे सारे आसमान को घेर लें, बच्चों के घुंघराले बालों ऐसे आकाश में फ़ैल जाएँ| बादलशीतल जल की धरा बनकर पीड़ा और ताप से दुःखी लोगों के जीवन में शांति प्रदान करें |

ख) फागुन की सुंदरता में वशीकरण की शक्ति है | जन-मन उसके मोहक और मतवाले सौन्दर्य पर मुग्ध होकर उसे देखता ही रह जाता है |फागुन की सुंदरता भीतर न समाकर वृक्षों पर खिले पुष्पों, लाल हरे पत्तों, सुगन्धित हवासे प्रकट हो रही है |ऐसे ही मनोहारी दृश्य से कवि की नज़र हट नहीं रही है |

ग) शूरवीर यूध्द भूमि में करनी करके दिखाते है कहकर अपनी वीरता नहीं बताते है |

घ) कृष्ण की आने की आशा में तन मन की व्यथा सह रही हैं |

प्रश्न 10--मूर्तिकार ने सर्वप्रथम यह जानना चाहा कि मूर्ति कहाँ बनी, पत्थर कहाँ से आया ,फाइलों की खोजबीन हुई,पहाड़ी प्रदेशों तथा खदानों का दौरा किया |पूरे देश का दौरा किया विभिन्न मूर्तियों की जांच पडताल की आदि| यदि मैं होता तो भारतीय नेताओं एवं बलिदानी बच्चों का मान-सम्मान करता | उनकी मूर्तियों को लगवाता तथा उनकी सुरक्षा का प्रबंध भी करता 5

खण्ड-घ

प्रश्न न0 11--- क) बिन्दुओं का विस्तार 2

ख) भाषा शैली 2

ग) अभिव्यक्ति की मौलिकता 3

घ) सृजनात्मकता 3

प्रश्न न0 12 ---

क) उचित प्रारूप 1

ख) भाषा 2

ग) सृजनात्मकता एवं विचार 2